Vol 4 Issue 5 Nov 2014

ISSN No :2231-5063

International Multidisciplinary Research Journal

Golden Research Thoughts

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

Welcome to GRT

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2231-5063**

Golden Research Thoughts Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

......More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.aygrt.isrj.org

Golden Research Thoughts
ISSN 2231-5063
Impact Factor : 2.2052(UIF)
Volume-4 | Issue-5 | Nov-2014
Available online at www.aygrt.isrj.org

कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर विद्यालय वातावरण के प्रभाव का अध्ययन

निशा श्रीवास्तव[1] , प्रीति सिंह[2] , सपना देवी मड़ामे[3]

[1]विभागाध्यक्ष (शिक्षा संकाय) ,घनश्याम सिंह आर्य कन्या , महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
[2]सहायक प्राध्यापिका (शिक्षा संकाय) ,घनश्याम सिंह आर्य कन्या , महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
[3]एम. एकृ ,(छात्रा) घनश्याम सिंह आर्य कन्या , महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

सारांश :- प्रस्तुत शोध का मुख्य उद्देश्य कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर विद्यालय वातावरण के प्रभाव का अध्ययन है। प्रतिदर्श के रूप में अध्ययन हेतु दुर्ग क्षेत्र के कक्षा दसवीं के 200 विद्यार्थियों (100 विद्यार्थी शासकीय एवं 100 विद्यार्थी अशासकीय विद्यालय में अध्ययनरत) का चयन किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में विद्यालय वातावरण के प्रभाव मापने हेतु डॉ. करूणा शंकर मिश्रा द्वारा निर्मित उपकरण, विद्यालय वातावरण मापनी का प्रयोग किया गया है। शैक्षिक उपलब्धि मापने हेतु कक्षा नवमीं के वार्षिक परीक्षा परिणाम के प्राप्तांकों को आधार माना गया। चयनित विद्यार्थियों पर विद्यालय वातावरण मापनी उपकरण को प्रशासित कर उनके प्राप्तांक ज्ञात किये गये। प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण मध्यमान एवं विचलन ज्ञात कर दो समूहों के मध्य प्राप्त होने वाले सहसंबंध का आकलन कार्लपियरसन के प्रॉडक्ट मोमेन्ट विधि द्वारा किया गया है। कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं विद्यालय वातावरण के मध्य सार्थक धनात्मक सहसंबंध पाया गया।

प्रस्तावनाः—

वर्तमान समय में शिक्षा का मुख्य उद्देश्य बालक का सर्वांगीण विकास करना एवं मानव जाति को अज्ञानता के अंधकार से बाहर निकालकर जीवन के उद्देश्यों की प्राप्ति करना हैं। जिस प्रकार बालक के उचित विकास व उपलब्धियों में परिवार के वातावरण की भूमिका अहम होती हैं उसी प्रकार विद्यालय के वातावरण की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। यदि बालक को अच्छा सुंदर व स्वस्थ विद्यालय वातावरण प्रदान किया जाये तो उसमें रूचि जीवन के प्रति उचित दृष्टिकोण, सृजनात्मक चिंतन, वैज्ञानिक अभिवृत्ति का उचित विकास होता है जिससे उनकी शैक्षिक उपलब्धि भी प्रभावित होती है जो बालक के सर्वांगिण विकास हेतु आवश्यक है। हसीन ताज (1999) ने समाजिक स्तर अभिभावक छात्र—संबंध, निर्भरता व्यवहार, विद्यालय प्रशासन का शैक्षिक उपलब्धि के संदर्भ में अध्ययन किया एवं निष्कर्ष निकाला कि अभिभावक एवं छात्र संबंध, विद्यालय प्रशासन का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव पड़ता है। सुनिता बी. व मयूरी के (2000) ने विद्यालयीन वातावरण का उच्च उपलब्धि वाले विद्यार्थियों पर प्रभाव का अध्ययन किया एवं निष्कर्ष निकाला कि उच्च उपलब्धि वाले विद्यार्थियों पर उनके विद्यालयीन वातावरण का सार्थक प्रभाव पड़ता है। लाख नारायण पाण्डेय (2004) ने छात्रों की शैक्षिक उपलब्धियों पर विभिन्न चरों की प्रभावशीलता का अध्ययन किया एवं पाया कि विद्यालय के शैक्षिक एवं आकर्षक वातावरण का छात्रों की शैक्षिक उपलब्धियों पर सकारात्मक प्रभाव दृष्टिगोचर हुआ। डॉ. क्षमा त्रिपाठी (2009) ने विद्यार्थियों की वैज्ञानिक अभिवृत्ति पर विद्यालय के शैक्षिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन किया एवं निष्कर्ष निकाला कि शहरी एवं ग्रमीण क्षेत्रों के विद्यालयो के शैक्षिक वातावरण में अंतर एवं विद्यार्थियों के वैज्ञानिक अभिवृत्ति में भी सार्थक अंतर पाया गया। ब्रुनी (2006) ने शैक्षिक उपलब्धि तथा मनोवैज्ञानिक कारकों के बीच संबंध का अध्ययन किया एवं

निष्कर्ष निकाला कि बालक एवं बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया गया। डॉ. माइकल ए. बेरी (2002) ने स्वस्थ स्कूल पर्यावरण और बड़ी शैक्षिक उपलब्धि एवं शैक्षिक प्रदर्शन का अध्ययन किया एवं निष्कर्ष निकाला गया कि विद्यालय के वातावरण की गुणवत्ता में छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के व्यवहार, शिक्षण और सीखने को तथा शैक्षिक प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं।

उद्देश्य

1.शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर विद्यालय वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना।
2.शासकीय विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर विद्यालय वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना।
3.अशासकीय विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर विद्यालय वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना।

प्रतिदर्श

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु दुर्ग क्षेत्र के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों से 200 (100 विद्यार्थी शासकीय एवं 100 विद्यार्थी अशासकीय विद्यालय में अध्ययनरत) विद्यार्थियो का चयन उद्देश्यपूर्ण न्यादर्श विधि से किया गया है।

उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में विद्यालय वातावरण के प्रभाव मापने हेतु डॉ. करूणा शंकर मिश्रा द्वारा निर्मित उपकरण, विद्यालय वातावरण मापनी का प्रयोग किया गया है। शैक्षिक उपलब्धि मापने हेतु कक्षा नवमीं के वार्षिक परीक्षा परिणाम के प्राप्तांकों को आधार माना गया।

सांख्यिकीय विश्लेषण

परीक्षण से प्राप्त प्रदत्तों के आधार पर सार्थकता मान ज्ञात करने के लिए सांख्यिकीय मान मध्यमान, मानक विचलन सहसंबंध गुणांक (r) की गणना कार्लपियरसन के प्रॉडक्ट मोमेन्ट विधि द्वारा की गई है।

परिकल्पना परिणाम एवं विवेचना

परिकल्पना H1

शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं विद्यालय वातावरण में सार्थक संबंध नहीं पाया जाएगा।

सारणी कमांक 1

कं	चर	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	सहसंबंध गुणांक
1	शैक्षिक उपलब्धि	200	62.66	10.78	0.68
2	विद्यालय वातावरण	200	174.11	32.43	
$df = 198$ $P < 0.05$ सार्थक संबंध है।					

स्वतंत्रता की कोटि 198 के लिए 0.05 स्तर पर सार्थकता ज्ञात करने हेतु सारणी कमांक 1 का अवलोकन किया गया जो कि स्वतंत्रता की कोटि 198 के लिये 0.05 स्तर पर सार्थकता दर्शाता है। यह परिणाम इस तथ्य की पुष्टि करता है कि शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि एवं विद्यालय वातावरण में सार्थक संबंध है। अतः H1 परिकल्पना अस्वीकृत हुई।

H2– शासकीय विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं विद्यालय

वातावरण में सार्थक संबंध नहीं पाया जाएगा।

सारणी कमांक – 2

क.	चर	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	सहसंबंध गुणांक
1	शैक्षिक उपलब्धि	100	60.67	10.21	0.685
2	विद्यालय वातावरण	100	175.25	30.260	
df = 98 P <0.05 सार्थक संबंध है।					

सारणी कमांक 2 से स्पष्ट है कि शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत् कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं विद्यालय वातावरण में सार्थक संबंध है। अतः H2 परिकल्पना अस्वीकृत हुई।

H3– अशासकीय विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा दसवींकक्षा के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं विद्यालय वातावरण में सार्थक संबंध नहीं पाया जाएगा।

सारणी कमांक – 3

क.	चर	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	सहसंबंध गुणांक
1	शैक्षिक उपलब्धि	100	64.66	11.026	0.708
2	विद्यालय वातावरण	100	174.66	34.63	
df = 98 P <0.05 सार्थक संबंध है।					

सारणी कमांक 3 से स्पष्ट है कि अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत् कक्षा दसवींके विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं विद्यालय वातावरण में सार्थक संबंध है। अतः H3 परिकल्पना अस्वीकृत हुई।

निष्कर्ष

अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत् कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि शासकीय विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि से अधिक है। विद्यालय वातावरण शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करता है अशासकीय विद्यालयों में शासकीय विद्यालयों की अपेक्षा विद्यालय परिसर स्वच्छ, शांत, अनुशासित होता है कक्षा का शैक्षिक वातावरण, उचित शिक्षण सामग्री की व्यवस्था, अध्यापकों का प्रेरणादायक व्यवहार व वातावरण छात्रों की शैक्षिक उपलब्धियों को प्रभावित करता है।

सुझाव

- विद्यालय का वातावरण परिवार जैसा होना चाहिए।
- विद्यार्थियों में आत्मनिर्भर होने की प्रवृत्ति को विकसित करना चाहिए।
- बालकों को निराशा व असफलता का सामना करने के लिए प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।
- परिवार व विद्यालयों में बालकों को उनकी क्षमताओं के अनुरूप कुछ अतिरिक्त कार्य सौंपे जाए, जिससे उनमें उत्तरदायित्व, समायोजन, क्षमता, आत्मविश्वास तथा नैतिकता आदि गुणों का विकास होगा। जिससे उनकी उपलब्धियों का और अधिक विकास होगा।
- शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण तथा उनकी शैक्षिक उपलब्धि को देखकर उनका सहीं मार्गदर्शन करना चाहिए।
- छात्रों को ऐसे अवसर दिए जाने चाहिए कि उनमें अनुशासन में रहने तथा अनुशासन में रहने देने की भावना विकसित हो। छात्रसंघ, छात्र दिवस, सदन प्रणाली, आचरण संहिता, समाज सेवा, सामूहिक खेल आदि के द्वारा अनुशासन का विकास किया जा सकता है।
- कक्षाओं मे अन्य सुविधाएँ जैसे बैठने के लिए फर्नीचर, हवा व प्रकाश की व्यवस्था पीने के पानी की व्यवस्था, पुस्कालय सुविधाएँ, उचित शिक्षण सामग्री, कक्षाओं के आकार स्कूल की दोषपूर्ण स्थिति आदि घटक जो

बालकों को कक्षा मे सीखने के लिए अभिप्रेरित करते हैं उस पर उचित ध्यान देना चाहिए।
- विद्यालय में शैक्षिक निर्देशन की सुविधा होना चाहिए।

संदर्भित ग्रंथ

1.GariRai (2010). Educatinal Achievement. Retrieved from sodhganga: http://sodhganga . infilibent. as. In/bit
2.Hasseen, Taj. (1991). A Study of Social Level, Parrent Student Relationship, Behaviour, Achievement. Fourth Survey of Research Education (2), 55.
3.Pandey, L. N. (2005) A Comparative Study of Educational Environment of Government and Non government Schools. Primary Teachers, ISSN 0970-9312, 2(30), 24-27.
4.Saxena, S., Kaur G. (2012) . Teaching skills of Teachers & Study of Organized Environment of School. Shikshamitra . (ISSN:0976-3406)_ 4(4), 21-23 Research Journal, 32-39
5.Suneeta, B., Mayuri, K. (2000). A Study of effect of School Environment on High Achievement of Students. Fourth survey of research education 541
6.Tripathi, K. (2009). A study in Effect Educational Environment of School on Students Scientific Attitude. Shodh Prakalp Traimasik Research. XXXXiX(04), 77-82
।

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,
We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.aygrt.isrj.org